सारथी नेहरु कला कुंज

10.11.92

प्रिय सदस्य

15 नवम्बर हमारी एकजुटता का दिन है, 1988 में इसी दिन हम सभी दस्तकार, बुनकर, संगीतकार और लोककलाकार एक साथ जुड़े थे और आपसी भाई-चारे से अपने अस्तित्व को कायम रखने के संघर्ष के लिये तैयार हुए थे।

सारथी हमेशा आपके प्रयत्नों के साथ है, दिल्ली में कलाकुंज के अलावा सारथी, जयपुर में कलानेरी एवं उड़ीसा में कलक्षेत्र के निर्माण के लिये कार्य कर रही है। जयपुर में आमेर किले के नजदीक 50 एकड़ जमीन कलानेरी के लिये आवंटित की जा चुकी है और जमीन पर उद्घाटन समारोह भी हो चुका है। सारथी द्वारा राजस्थान के कलाकारों को कलानेरी में नामांकन के लिये अखबार में प्रसारित करने हेतु विज्ञापन भी तैयार कर दिया गया है कि किन विधाओं के हुनरमन्द इस योजना में सम्मिलित हो सकते हैं जो शीघ्र ही अखबारों में आने वाला है।

उड़ीसा में कलाक्षेत्र के लिये उड़ीसा सरकार से पूरी बात होने के बाद अब प्लान एवं अन्य मसौदा तैयार किया जा रहा है। हमारा ऐसा सोचना है कि उड़ीसा तथा राजस्थान की देखादेखी से दिल्ली में भी हमें शीघ्र जमीन मिल जायेगी।

शादीपुर डिपो कठपुतली कालोनी के कलाकारों को वहीं पर बसाये जाने के हमारे प्रयास भूले-बिसरे कलाकारों के प्रयत्नों के साथ अब किसी निर्णय की ओर पहुँच रहे हैं। दिल्ली प्रशासन इस बस्ती में रह-बस रहे कलाकारों को सामान्य सुविधा (खडिन्चे, नाली, पानी बिजली आदि) मुहैया कराने को राजी हो गयी जिसका लेखा-जोखा एवं कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

कलाकारों की इस बस्ती में सारथी के प्रयासों से चल रही कलाकार क्लीनिक बहुत अच्छी तरह काम कर रही है।

सरकार द्वारा हाल ही में प्रचारित भीख मांगने संबंधित कानून ने मस्लैत, कलन्दर, भोपा, नट, जगलर, वाऊल आदि परम्परागत् लोककलाकारों को भीखमंगों की श्रेणी में रखा है, हम इस कानून से परम्परागत हुनरमन्द कलाकारों को अलग कराने के लिये प्रयत्नशील हैं।

14 अगस्त की मीटिंग के निमन्त्रण पत्र के साथ हमने सारथी की सभी गतिविधियों से आपको अवगत कराया था, काफी सदस्यों ने जो उपस्थित थे आगे की कार्यवाही के लिये सुझाव भी दिये।

सारथी का काम कलाकारों को सहयोग करना है और सहयोग तभी दिया जाता है जब कोई चाहे, साथ ही आपको यह बता देना भी उचित समझते हैं कि इस बीच न तो आप द्वारा और न ही आपके चुने हुये नुमायन्दों के द्वारा हम तक कोई संपर्क जोड़ा गया। क्या आपका हमसे संबंध सिर्फ जमीन और घरों का ही है? रजिस्टर्ड समिति होने के नाते आपकी समिति को कई बार सरकारी रजिस्टर्ड पत्र आ चुके हैं। हमारे द्वारा आपकी समिति के चुने सदस्यों को कई बार सूचित करने पर भी वे अपने काम को करने नहीं आते जिसके परिणाम स्वरुप अब आपकी समिति की रजिस्ट्रेशन को खतरा हो गया है, अब समय आ गया है जब आप खुद अपने आप प्रधान, उपप्रधान, सचिव को पूछें कि आपने अब तक क्या कार्य किया, तथा शीघ्र नये चुनाव कराकर नये नुमाइन्दों को काम करने का मौका दें जो जरुरतमंदों के लिये काम कर सकें।

आपके द्वारा जमा शेयरपूंजी अभी तक सस्पैंस एकाऊंट में जमा है। 4 साल से आपके चुने नुमाइन्दों ने इस पैसे को पक्के खाते में जमा नहीं किये, आपका पैसा सुरक्षित है परन्तु समिति को ब्याज नहीं मिल रहा है।

आपको बार-बार सूचित कर देना चाहते हैं कि समिति के उज्जवल भविष्य और ने.कला कु. के निर्माण में आपकी अपनी भागीदारी की जरूरत है यह काम सिर्फ चन्द लोगों का नहीं है।

हमारी तरफ से समिति के **जन्मदिन की मुबारकबाद कबूल करें,** एवं यह संकल्प लें कि समिति के लिये यह नया साल नया सवेरा लाये तथा हम सब का प्रयास साकार रुप में बदले।

शुभकामनाओं सहित,

राजीव सेठी

राजीव सेठी

सेवा में To

सारथी नेहरु कला कुंज, फ्लैट नं. 4, शंकर मार्किट, नई दिल्ली-110 001 ● फोन : 3315107, 3314065